याद करते रहो तो होगा तुम्हारा साक्षात्कार
याद में रह पवित्र ब्रह्मा भोजन को करो स्वीकार
इससे मिलती ताकत और हृदय होता शुद्ध
ड्रामा में हरेक का एक्यूरेट पार्ट है अपना
एक बाप की याद से मिलता पद जीवन मुक्ति का
पाना था सो पा लिया .. इस प्राप्ति के नशे में रहना
चलन और चेहरे पर सदा झलके प्रसन्नता
कुछ भी हो जाए छोड़ो नही प्रसन्नता
जो होते परमात्म प्यार की अनुभवी
उन्हें रुकावट रोक नही सकती।

मेरा बाबा
ॐ शांति।